जागृति ने कड़ाके की दंड में बेसहारा व जरूरतमंदों में किया 'कम्बल वितरण'

नई दिल्ली (अ.इ.)। अगर आप दूसतें का दर्द समझते हैं, तो मदद का हाथ यहाने में हिचकिचाएं नहीं, अगे आयें। इण्टरनेशनल मैनेजमेंट इन्स्टीट्यूट की सीएसआर विंग जागृति वर्तमान में इसी नेक काम में लगी है और दक्षिणी दिल्ली में भयंकर सदीं से मुरेशान, गरीब, जरूरतमंदीं व बेघर लोगों की लगातार मदद की कोशिश कर रही है।

जागृति अपनी "कम्बल वितरण पहल" के माध्यम से दिल्ली की सड़कों पर कम्बल दान कर रही है। आईएमआई समुदाय के द्वारा जुटाए गएँ फण्ड्स के माध्यम से टीम जागृति ने इन उदार पहल की शुरूआत की है। इसके द्वार दक्षिणी दिल्ली की सड़कों पर उन वेबर बेसहारा लोगों को कम्बल बाट-जा रहें हैं जो भयंकर सदी में सड़कों पर जिन्दगी वितान के लिए मजबूर हैं। इस पहल का

आयोजन 11 जनवरी का किया गया और उन परिवारों को काबल बाँटें गए जो दिली की बमा देने वाली सर्दी में सडकों पर रात बिताते हैं। इसके तहत दक्षिणी दिल्ली की गलियों में सो रहे लोगों को कम्बल बांटे गए। आईएमआई हमेशा से जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए तत्पर है। 1981 में स्थापित आईएमआई, नई दिल्ली 1990 के दशक में एक अग्रणी वी स्कल वर गया। बिजनेस रहे के अनुसार साल 2014 में यह समग्र आधार पर नॉवे स्थान पर रहा। बिजनेस वर्ल्ड बी-स्कूल सर्वेक्षण ने शल ही में आईएमआई को समग्र रेकिय में स्वारहवें स्थान पर इण्डान्टी इन्टरैक्शन में इसरे स्थान पर तथा बीद्धिक सम्पदा के क्षेत्र में तीसरे स्थान पर रखा है। आज, आईएमआई देश के विख्यात प्रचन्धन संस्थानी तथा प्रतिप्रित बी स्कलों में से एक है। आईएमआई कई अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के सहयोग से-अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के पांत्यक्रमों का संचालन करता है। हाल ही में आईएमआई की इन्डस्टी-सिंकड टेकनीकल इन्स्टीटयुद्ध 2014 के एक सर्वेक्षण द्वारा वेस्ट इन्डस्ट्री लिंकड मैनेजमेंट संस्थान के रूप में सम्मानित किया गया है। इन्टरनेशनल मैनेवमेन्ट इन्स्टीय्यट अध्यापन, अनुसंधान एवं कॉरपोरेट प्रशिक्षण में विशेषज्ञता के साथ समेकित विजनेस स्कल है। समकक्ष संस्थानों, उद्योग जगत एवं सरकार के सहयोग से प्रासीमक अनुसंधान कार्यक्रमों के द्वारा प्रबन्धन के क्षेत्र में अधिकतम सम्भव विशेषज्ञता त्रासिल करना तथा विद्याधियों में उत्क्रष्ट प्रथम्भकीय प्रतिभा का विकास करना इसका मिशन है। सर्वश्रेष्ठ बी-स्कूल एक सर्वेक्षण में समग्र रैंकिंग में 14 वें तथा बीद्धिक सम्पदा की दृष्टि से हीसरे स्थान पर एखा गया है।

जागृति ने आयोजित की

'कम्बल वितरण पहल'

नई दिल्ली। अगर आप दूसरी का दर्द समझते हैं, तो मदद का हाथ बहाने में न हिमानिक नाएं.. इन्टरनेशनल भैनेजभेंट इन्सवीदस्ट की सीएसआर विमा जाएति खतेमान थे इसी नेक काम में लगी हे और दक्षिणी दिली में भयेकर मदों से परेशान बैयर लोगों की महर की कोशिया कर रही है। आगृति अपनी "कम्बल विक्रण पहरू " के माध्यम से दिली की सड़कों पर कम्बल दान कर रही है। आईएमआई समुदाय के द्वारा ज्याद् गए पण्ड्स के माध्यम से टीम जागृति ने इन उदार पहल की श्रमंत्रमत की है। इसके द्वारा एसिणी दिस्ती की सहकों पर उन वेषर बेसहरा लोगों को कम्बल बंदि जा रहें हैं जो भगवन सदी में सहकों पर जिन्छों विताने के लिए मजबर हैं। इस पहल के आयोजन के द्वारा उन परिवासे की कम्बल बाँटे गए जो विज्ञी भी जमा देने वाला सर्वी में सड़की पर सत वितान हैं। इसके वहत दक्षिणी दिखें की मलियों में सी रहे लोगों को कावल बारे गए।

आईएमआई ने बेसहारा लोगों को दी राहत

नई जिल्ली, लोकसत्य। राजधानी में पह रही कड़ाके की टंड की देखते हुए आईएमझाई ने राजधानी में रह रहें बेसहारा लोगों को ठेड़ से बचने के लिए बबल थोडा। आईएमआई की सीएसआर विंग जागृति ने अपने कार्यकर्ताओं के राध्य मिलकर कंबल वितरण किया। अईएमआई को टीम बागृति ने कहा कि भवेकर हर्दी में सदकों पर विन्दर्भी विताने के लिए जो लोग मजबूर हैं। इस पहल उन परिवासी को कुछ राहत भिलेगी। जागृति के मताबिक, राजधानी में पड़ रही कड़ाके की सदाँ में जो लोग भड़कों पर रात बिसाते हैं उनके लिए इस इस कार्यक्रम के जरिए कुछ तो सहत दे सकते है। उ होने दिल्ली की आप जनता में आवहर किया कि लोग नापने युराने कपड़ों की जरुरत मेंद की दान दें।

जागृति ने आयोजित की

'कम्बल वितरण पहल'

काँमी संवाददाता
नई दिल्ली, 22 जनवरी। अगर आप दूसरों
का दर्द समझते हैं, तो मदद का हाथ बढ़ाने में
न हिचिक्त पार्रे..... इन्डरमेशनल मैनेजमेंट इस्सटीट्यूट को सीएसआर विंग जागृति वर्तमान में इसी नेक काम में लगी हैं और दीक्षणी दिल्ली में शर्यकर राहों से परेशान वेगर लोगों की मदद की कोशिश कर रही है। जागृति अपनी "कम्बल वितरण पहल" के माध्यम से दिल्ली

की सड़कों पर कप्चल दान कर रही है।

आईएमआई समुदाय के द्वारा जुटाए गए फण्ड्स

के गाध्यम से टीम जागृति ने इन उदार पहल की शुरूआत की है। इसके द्वारा दक्षिणी दिल्ली की सडकों पर उन बेधर बेसहारा लोगों को कम्बल लांटे जा रहें हैं जो भयंकर सर्दी में सडकों पर जिन्दगी बिताने के लिए मजबूर हैं। इस गहल के आयोजन के द्वारा उन परिवासें को कम्बल बांटें गए जो दिल्ली की जमा देने वाली सर्दी में सड़कों पर रात बिताने हैं। इसके तहत दक्षिणी दिह्नी की गलियों में सो रहे लोगों को कम्जरा वाँटे गए। आईएमशाई हमेशा सं जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए तत्पर है।

जागृति ने आयोजित की 'कम्बल वितरण पहल'

नई दिली। अगर आप दूसरों का दर्द समझते हैं, तो मदद का हाथ बढाने में न हिचकिकाएँ इन्टरनेशनल मैने नमेंट इन्सटीटयट की सीएसआर विंग जागति वर्तमाम में इसी नेक काम में लगी है और दक्षिणी दिखी में भयंकर सहीं से परेशान बेगर लोगों की मदद की कोशिश कर रही है। जागृति अपनी 'कम्बल जितरप पहल'' के माध्यम से दिली की सडकों पर कम्बल दान कर रही है। आईएमआई समुदाय के प्रारा जुटाएं गए फण्ड्स के माध्यम से टीम जागति ने इन ख्दार पहल की शुरूआत की है। इसके द्वारा दक्षिणी दिख्ये की सड़कों पर उन बेघर बेसहारा लोगों को कम्बल बाटे जा रहें हैं जो पर्यंकर सर्वी में सड़कों पर जिन्दगी बिताने के लिए मजबूर हैं। इस पहल के आयोजन के द्वारा उन परिवारों को कञ्चल बार्ट गए जो दिखी की जमा देने वाली सदी में सड़कों पर रात बिताते हैं। इसके तहत दक्षिणी दिख्य की गलियों में भी रहे लोगों को कम्बल बाटे गए। आईएमआई हमेशा से जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए तत्पर है। 1981 में स्थापित आईएमआई, नई दिली 1990 के दशक में एक अग्रणी वी-स्कृत बन गया। बिजनेस ट्डे के अनुसर सांल 2014 में यह समग्र आधार पर नौवे स्थान पर रहा। विजनेस वर्स्ड बी-स्कृत सर्वेधण ने हाल ही में आइएमआई को समग्र रैंकिंग में न्यारहवें स्थान पर, इन्डस्ट्री इन्टरैक्शन में दूसरे स्थान पर तथा बौद्धिक सम्पदा के क्षेत्र में तीसरे स्थान पर रखा है। आज, आईएमआई देश के विख्यात प्रबन्धन संस्थानी तथा प्रतिष्ठित बी-स्कुलों में से एक है। आईएमआई कई अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। हाल ही में आइएमआई को इन्डस्ट्री-लिंबड देकनीकल इन्मरीर्यूट 2014 के एक व्यम् सर्वेक्षण द्वारा बेस्ट इन्डस्टी लिंकड मैनेजमेंट संस्थान के रूप में सम्मानित किया गया है। इन्टरनेशनल मैनेजमेन्ट इन्सटीट्युट

:प्डप्ड अध्यापन, अनुसंधान एवं कोरपोरेट प्रशिक्षण में विशेषज्ञता के साथ समेकित बिजनेस स्कूल है। समकथ संस्थानों, उद्योग जगत एवं सरकार के सहयोग से प्रासंगिक अनसधान कार्यक्रमों के द्वारा प्रबन्धन के क्षेत्र में अधिकतम सम्भव विशेषज्ञता हासिल करना तथा विद्यार्थियों में उत्कृष्ट प्रबन्धकीय प्रतिमा का विकास करना इसका मिशन है। एनबीए (नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन) से गृष्टीय स्तर की नान्यता प्राप्त तथा एसएवयुएस (साउच एशिया क्रालिटी सिस्टम्स) से अन्तर्रष्टीय स्तर की मान्यता प्राप्त विशेष तकनीकी कोरपोरेशन प्रोग्राम के लिए भारत सरकार के बाहरी मामलों के मंत्रालय के पैनल में शामिल जिसके तहत संस्थान में भारत सरकार की खत्रवृति पर विभिन्न विकासशील देशों के विद्यार्थी पैनेजमेन्ट में 15 महीने के एकजक्टिव पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए आते हैं।

जागृति ने आयोजित की 'कम्बल वितरण पहल'

ार्ड दिल्ली। अमर आप इसरों का दर्द समझते हैं, तो मदर का हाय घटाने में न डिजिंकिचाएं..... इन्टरनेशभत मेनेजमेंट इन्सटीटबंट की अधिसक्षार विच जापुति वर्तमान में इसे नेना नाम वे लगी है और दक्षिणी दिलतों में भगकर सदी से गरेशत बेयर लोगों की मदर की कोशिश बार रही है। वापूरि अपनी "कम्पन विवरण पहल" के माध्यम से दिल्ली की सहको पर श्रम्बल दान कर रही है। आईएमआई समदाय के द्वारा जनार गए पगड्स ने माझस हे टीम जगृति ने एन उदार पहला की शुरूआत की है। इसके द्वारा दक्षिणी दिल्ली की सडकों पर उन वेबर पेसहए। लोगी को कम्बल बरे जा को है जो भर्यकर मदी में मडको पर जिन्हरी बिनाने के लिए मजनूर हैं। इस पहल के आयोजन के तुरा उन परिवासे की सम्बल बार्टे गए जो दिल्ली की ज़मा देवे वाली सर्दी में सहकी पर रक्ष विनात हैं। इसके तहत दक्षियों दिल्ली की गतियों में भी रहे लोगों को कम्बल वाँटे गए। आईएमआई हमेशा से जरूरतमंत्र लोगों की यहाथला के लिए त्रत्यर है।

जागृति ने आयोजित की कम्बल वितरण पहल नडे दिल्ली, १६ जनवरी। अगर आए दूसरी का दर्द समझते हैं, तो मदद का हाथ बढ़ाने में न हिचकिचाए न इन्टरनेशनल भैनेजमेंट इन्सरीटयट की सीएसआर बिंग जागीत वर्तमान

में इसी नेवा काम में खगी है और दक्षिणी दिल्ली में मर्यकर सर्दी से परेशन वेघर लोगों की मदद की फोशिश कर रही है। जारति अपनी 'बस्बल बितरण पहल' के गाध्यम से दिल्ली

की सहकों पर कम्बल दान कर रही है। आईएमआई समुदाय के द्वारा जटाए गए अण्डस के माध्यम से टीम जागृति ने इन उदार पहल की शुरूआत की है। इसके द्वारा दाँखणी दिल्ली की सहकों पर उन बेधर बेस्कारा लोगों को कावल बीटे जा रहें है जो भयंकर सदी में सदकी

पर जिन्दगी बिताने के लिए मजबूर हैं इस महत्व का आयोजन ११ जतवरी का किया गया और उन परिवारों को कम्बल बॉर्ड गए जो दिल्ली की जमा देने वाली सदी में शहकों पर एत बितात है। इसके तहत दक्षिणी दिल्ली की गीलधी में भी खे लोगों को कम्बल बाटे गए।

आईएमआई हमेशा से जरूरतमेंद्र लोगों को सहायता के लिए तत्पर है।